# राजस्थान जीके

## राजस्थान की हस्तकलाएँ

राजस्थान क्लासेज
Click here
www.rajasthanclasses.in

50 जिलों पर आधारित

राजस्थान GK

निशुल्क नोटस

Search – rajasthanclasses.in

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

- NAME AND DIST NAME

Search – rajasthanclasses.in

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

# ❑ Study Group - 8107670333

❑ NAME AND DIST NAME

❑ Class Timing

❑ Morning 9 AM

❑ Evening 9 PM

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Q. राजस्थान की प्रसिद्ध ब्ल्यू पॉटरी की दस्तकारी का उद्भव कहाँ से हुआ था?

अ. कश्मीर

ब. पर्शिया

स. जापान

द. सिंध

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (ब) पॉटरी का उद्भव पर्शिया (ईरान) से माना जाता है, जो फारस, अफगानिस्तान होती हुई भारत आई| भारत में इसका प्रचलन अकबर के समय हुआ |

Q. लूणी नदी के प्रदुषण का प्रमुख स्रोत क्या है?

अ. रंगाई – छपाई उद्योग

ब. ग्वार – गम उद्योग

स. इंजीनियरिंग उद्योग

द. हैंडी क्राफ्ट उद्योग

RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (अ) निकट स्थित कस्बों बालोतरा, जसोल, बिठुजा व पाली में रंगाई छपाई उद्योगों के कारण इन उद्योगों से निकलने वाले अपशिष्ट से |

Q. जयपुर की 'ब्लू पॉटरी' को किसने अंतर्राष्ट्रीय पहचान दी -

अ. कृपाल सिंह शेखावत
ब. मोहनलाल कुम्हार
स. रामगोपाल विजयवर्गीय
द. श्रीलाल जोशी

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (अ) इनका जन्म 1922 ई. में मऊ गाँव (नीम का थाना) में हुआ था |

Q. 'खेसला उद्योग' के लिए प्रसिद्ध लेटा ग्राम किस जिले में स्थित है?

अ. सांचौर में
ब. बाड़मेर में
स. जालौर में
द. बालोतरा में

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (स) ओढने की मोटी सूती चद्दरों को खेसला कहा जाता है, लेटा गाँव में मेघवाल जाति के बनुकरों द्वारा यह कार्य किया जाता है |

Q. 'कागजी टैराकोटा' के लिए प्रसिद्ध है?

अ. उदयपुर
ब. जोधपुर
स. भरतपुर
द. अलवर

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (द) चीनी मिट्टी से कागज के समान पतले पात्रों का निर्माण किया जाता है, इसे 'कागजी पॉटरी / डबल कट वर्क पॉटरी' भी कहा जाता है |

Q. धातु से बनी हुई वस्तुओं पर सोने के पतले तारों की जड़ाई को कहते है - -

अ. उस्ता कला

ब. कोफ्तगिरी

स. कुंदन

द. मीनाकारी

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (ब) उदयपुर कोफ्तगिरी कला को 1 अगस्त, 2023 को भौगोलिक चिह्न (GI) मिल चुका है |

Q. वह स्थान, जो अपने मृदा शिल्प (टेराकोटा) के लिए प्रसिद्ध है -

अ. जावर (सलूम्बर)
ब. शाहपुरा
स. मोलेला (राजसमंद)
द. टांकला (नागौर)

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (स) यहाँ मिट्टी से लोक देवी – देवताओं की मूर्तियाँ व अन्य कलाकृतियाँ बनायी जाती है, यहाँ की मिट्टी को हाथो से ही आकार दिया जाता है |

Q. राजस्थान में कौनसा स्थान 'नमदा' उत्पादन के लिये प्रसिद्ध है?

अ. जयपुर
ब. कोटा
स. टोंक
द. बूंदी

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (स) ऊन को कूटकर उसे जमाकर जो वस्त्र बनाते है, उसे नमदा कहा जाता है |

Q. 'पिछवाई पेंटिग' का संबंध निम्न में से किस स्थान से है -

अ. नाथद्वारा
ब. ब्यावर
स. किशनगढ़
द. मोलेला

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (अ) अगस्त 2023 में पिछवाई कला को 'भौगोलिक चिन्हिकरण' (जीआई टैग) मिल चूका है |

**Q. राजस्थान का कौनसा कलाकार 'उस्ता कला का जादूगर' कहलाता है?**

अ. हिसामुद्दीन उस्ता
ब. कादर बख्श उस्ता
स. इलाही बख्श उस्ता
द. मोहम्मद हनीफ उस्ता

RAJASTHAN CLASSES
PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (अ) इनका जन्म नवंबर 1914 को दुलमेरा (बीकानेर) में हुआ था, इनके पिता मुराद बख्श भी अपने समय के श्रेष्ठ कलाकार थे |

Q. तारकशी के जेवर के लिए जाना जाता है?

अ. नाथद्वारा

ब. टोंक

स. टांकला (नागौर)

द. जोधपुर

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (अ) चाँदी के तारों को गूँथकर बनाये गये आभूषण तारकशी के जेवर कहलाते हैं, जो नाथद्वारा (राजसमन्द) के अलावा जयपुर में भी बनाये जाते है |

Q. खण्डेला (सीकर) व भिनाय (केकड़ी) प्रसिद्ध है?

अ. गोटा किनारी उद्योग के लिए

ब. गरसियों की फाग ओढ़नी

स. रेजी निर्माण के लिए

द. पेचवर्क व चटापटी कार्य के लिए

राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( अ )

Q. जस्ते की मूर्तियाँ व वस्तुएं मुख्यतः कहाँ बनती है?

अ. जयपुर

ब. जोधपुर

स. जैसलमेर

द. गलियाकोट (डूंगरपुर)

RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( ब )

Q. कृषिगत औजारों के लिए प्रसिद्ध स्थान है?

अ. गजसिंहपुर (गंगानगर)

ब. नागौर

स. झोटवाड़ा (जयपुर)

द. उक्त सभी

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( द )

Q. सूती या रेशमी कपड़े पर बादले से छोटी – छोटी बिंदकी की कढ़ाई कहलाती है -

अ. मुकेश का काम

ब. पेचवर्क

स. चटापटी के कार्य

द. ब्लॉक प्रिंटिग

RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( अ )

Q. जरी का काम सूरत से जयपुर किसके समय लाया गया?

अ. महाराज राम सिंह द्वितीय
ब. सवाई प्रतापसिंह
स. सवाई जयसिंह
द. सवाई ईश्वरी सिंह

RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( स )

**Q. गलीचे निर्माण के लिए प्रसिद्ध है -**

अ. जयपुर, बीकानेर
ब. जैसलमेर, बाड़मेर
स. टोंक, कोटा
द. भीलवाड़ा, अजमेर

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (अ) सर्वाधिक प्रसिद्ध स्थान जयपुर है, इसके अलावा बीकानेर व टोंक में भी गलीचे निर्माण का कार्य होता है, रियासती काल में बीकानेर जेल में बनने वाले गलीचे प्रसिद्ध थे |

Q. लहरिया व पोमचा के लिए जाना जाता है -

अ. जयपुर

ब. बाड़मेर

स. बीकानेर

द. उदयपुर

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( अ )

**Q. फड़ चित्रण में सिद्धहस्त है-**

अ. शाहपुरा का जोशी परिवार

ब. प्रतापगढ़ का सोनी परिवार

स. जयपुर का शेखावत परिवार

द. नाथद्वारा का जांगिड़ परिवार

RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( अ )

Q. प्रतापगढ़ का सोनी परिवार प्रसिद्ध है -

अ. मीनाकारी के लिए

ब. मुरादाबादी के कार्य के लिए

स. थैवा कला के लिए

द. कोफ्तगिरी के लिए

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (स) कांच पर सोने चाँदी के सूक्ष्य चित्रांकन की कला 'थेवा कला' कहलाती है, यह मीनाकारी का ही एक प्रकार है, जो कांच पर की जाती है |

Q. स्वर्णाभूषणों में कीमती पत्थर जड़ने की कला कहलाती है -

अ. कुंदन

ब. मिरर वर्क

स. पेपरमैशी

द. मुरादाबादी कार्य

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( अ )

Q. पीतल के बर्तनों पर खुदाई करके उस पर कलात्मक नक्काशी का कार्य कहलाता है?

अ. मीनाकारी

ब. थेवा कला

स. मुरादाबादी कार्य

द. मुनव्वती का काम

RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( स )

Q. ऊंट की बर्तनों पर खुदाई करके उस पर कलात्मक नक्काशी का कार्य कहलाता है?

अ. उस्ताकला या मुनव्वती का काम

ब. कुंदन का कार्य

स. कोफ्तगिरी

द. मुरादाबादी का काम

RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( अ )

**Q. मीनाकारी की कला को सर्वप्रथम जयपुर लाने वाला शासक था?**

अ. महाराजा मानसिंह प्रथम
ब. मिर्जा राजा जयसिंह
स. राजा भारमल
द. सवाई जयसिंह

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (अ) इस कला के कलाकारों को लाहौर से आमेर लाया गया| जिसमें हरिसिंह, अमरसिंह, किशनसिंह, गोभासिंह व श्यामसिंह आदि प्रमुख कलाकार थे |

Q. ऊंट के शरीर के बालो को क़तर कर शरीर पर कई तरह की आकृतियाँ उकेरने की कला है -

अ. जट कतराई

ब. चर्म कला

स. कुट्टी कला

द. उस्तकला

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( अ )

Q. 'फड़ चित्रण' के लिए राजस्थान का कौनसा जिला प्रसिद्ध है?

अ. केकड़ी

ब. उदयपुर

स. शाहपुरा

द. भीलवाड़ा

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (स) पट – चित्रण की इस कला का नाम राजस्थानी भाषा में अपभ्रंश होकर 'फड़' हो गया |

Q. बकरी के बालों से जट पट्टी की बुनाई का मुख्य केंद्र कहाँ स्थित है?

अ. दूदू
ब. गंगापुर सिटी
स. जसोल (बालोतरा)
द. खेतड़ी (नीम का थाना)

RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( स )

Q. कागज की लुगदी बनाकर उससे कलात्मक वस्तुएं बनाने की कला क्या कहलाती है?

अ. पेपर मेशी

ब. कागजी टैराकोटा

स. कोफ्तगिरी

द. बादला

RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( अ )

Q. मलीर प्रिंट का संबंध किस जिले से है?

अ. बाड़मेर
ब. चित्तौड़गढ़
स. जयपुर
द. जोधपुर

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (अ) खत्री जाति के लोग यह कार्य करते है, छपाई की विशिष्ट शैलियों को अजरख व मलीर छपाई कहते है |इसमें कत्थई व काले रंग का प्रयोग किया जाता है |

Q. लड़की के झूलों के लिए कौनसा स्थान प्रसिद्ध है?

अ. उदयपुर
ब. चित्तौड़गढ़
स. जोधपुर
द. बाड़मेर

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( स )

Q. लड़की का नक्काशीदार फर्नीचर कहाँ का प्रसिद्ध है?

अ. उदयपुर
ब. जोधपुर
स. बाड़मेर
द. जालौर

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( स )

Q. अजरक प्रिंट के लिये राजस्थान में कौनसा स्थान प्रसिद्ध है?

अ. जैसलमेर

ब. बाड़मेर

स. पाली

द. सांगानेर

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( ब )

Q. किस जिले की मसूरिया, मलमल व डोरा साड़ियाँ प्रसिद्ध है?

अ. कोटा

ब. जोधपुर

स. बीकानेर

द. टोंक

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( अ )

**Q. नीम में से कौनसा युग्म असंगत है?**

अ. हाथीदांत पर खुदाई – जयपुर, उदयपुर

ब. छपाई के घाघरे – आकोला (चित्तौड़गढ़)

स. आम पापड़ – बाँसवाड़ा

द. जस्ते की मूर्तियाँ – अलवर

RAJASTHAN CLASSES
PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (द) जस्ते की मूर्तियाँ – जोधपुर

Q. 'बादला' क्या होता है?

अ. लाख की चूड़िया बनाने वाला

ब. फेरों के समय पहने जाने वाले दुल्हन के वस्त्र

स. जिंक से निर्मित पानी की बोतल

द. ऊंट के खाल से बनी कुप्पी

राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (स) यह जिंक धातु से बना या जिंक का लेप कर बनाया गया जल पात्र होता है, जो पानी को ठंडा रखने के काम आता है, बादला जोधपुर का प्रसिद्ध है |

Q. ऊन से निर्मित वियना व फारसी डिजायन के गलीचों के लिए कौनसा स्थान विख्यात है?

अ. बीकानेर
ब. उदयपुर
स. भरतपुर
द. बाँसवाड़ा

RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( अ )

**Q. राजस्थान में किस राजघराने ने मीनाकारी को प्रोत्साहित किया?**

अ. अलवर
ब. उदयपुर
स. बीकानेर
द. जयपुर

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (द) मीनाकारी के प्रसिद्ध कलाकार सरदार कुदरत सिंह (पदमश्री 1988) मुन्नालाल (जयपुर), काशीनाथ, कैलाशचन्द्र व दुर्गाराम आदि है |

Q. बिनोट (दुल्हा दुल्हन की जूतियाँ) कहाँ के प्रसिद्ध है?

अ. जोधपुर
ब. उदयपुर
स. चुरू
द. जैसलमेर

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( स )

Q. सालावास गाँव की दरियां प्रसिद्ध है, सालावास गांब किस जिले में है?

अ. बाड़मेर

ब. बालोतरा

स. जोधपुर

द. जोधपुर ग्रामीण

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( द )

Q. कागज पर निर्मित देवी – देवताओं के चित्र कहलाते है -

अ. पेपरमेशी

ब. पाने

स. वील

द. चटापटी

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (ब) छोटे कागज पर देवी – देवताओ के चित्र 'पाने' कहलाते है| श्रीनाथ जी के पाने सर्वाधिक कलात्मक होते है |

Q. ऊनी बरड़ी, पट्टू, शोल व लोई के लिए प्रसिद्ध है?

अ. जयपुर

ब. जैसलमेर

स. बाड़मेर

द. बीकनेर

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( ब )

Q. ब्लू पॉटरी के लिए प्रसिद्ध कृपालसिंह का संबंध किस जिले से है?

अ. जयपुर
ब. नीम का थाना
स. झुंझुनूं
द. सीकर

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( ब )

Q. श्रीलाल जोशी, नंदकिशोर जोशी, प्रकाश जोशी, शांतिलाल जोशी राजस्थान की किस चित्रकला शैली के प्रसिद्ध कलाकार है -

अ. तारकशी कला

ब. फड़ चित्रकारी शैली

स. उस्ता कला

द. ब्लू पॉटरी

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( ब )

Q. राजस्थान की प्रसिद्ध मीनाकारी हस्तकला का उद्भव कहाँ से हुआ -

अ. पर्शिया (ईरान)

ब. दमिश्क

स. पेरिस

द. गुजरात

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (अ) इसे मुगलों द्वारा लाहौर लायी गयी, जहाँ पर सिक्ख कलाकारों द्वारा यह कार्य किया जाता था |

Q. थेवा कला का संबंध राजस्थान के किस जिले से है?

अ. प्रतापगढ़
ब. नाथद्वारा
स. बीकानेर
द. जयपुर

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( अ )

Q. राजस्थान का कौनसा शहर ब्लैक पॉटरी के लिए प्रसिद्ध है -

अ. बीकानेर

ब. अलवर

स. कोटा

द. जयपुर

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (स) ब्लैक पॉटरी का कार्य कोटा के अलावा सवाई माधोपुर में भी किया जाता है |

Q. श्री अब्दुल गफूर खां, इम्तियाज अली तथा अब्दुल रजाक कुरैशी किस क्षेत्र में प्रसिद्ध है -

अ. मीनाकारी
ब. कुंदन कला
स. सांगानेरी प्रिंट
द. पीतल पर खुदाई

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (द) कलाकृतियाँ 'मुरादाबादी काम' कहलाती है, इस कला के लिए जयपुर के जान नूर मोहम्मद, अब्दुल रज्जाक कुरैशी प्रसिद्ध रहे है |

Q. गरासियों की फाग ओढ़नी कहाँ की प्रसिद्ध है ?

अ. आबू रोड़

ब. फालना

स. मथानिया

द. सोजत

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( द )

Q. वुडन पेंटेड फर्नीचर कहाँ का प्रसिद्ध है?

अ. किशनगढ़

ब. ब्यावर

स. कोटा

द. जोधपुर

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( अ )

Q. ‘मोण’ क्या है?

अ. आदिवासीयों महिलाओं की ओढ़नी

ब. गोटे का एक प्रकार

स. मेवाड़ क्षेत्र में बना मिट्टी का बड़ा मटका

द. कपड़े पर मोम की परत चढ़ाया गया चित्र

राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( स )

Q. कौनसा जिला भोड़ल की छपाई के लिए प्रसिद्ध है?

अ. केशवरायपाटन

ब. बालोतरा

स. बगरू

द. भीलवाड़ा

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (द) छपाई को चमकदार बनाने के लिए अभ्रक का प्रयोग किया जाता है, इसलिए इसे 'भोडल की छपाई' कहा जाता है |

Q. कम्बलों की बुनाई के लिए प्रसिद्ध स्थान है?

अ. गडरा रोड़ (बाड़मेर)

ब. बालोतरा

स. रामसर (बीकानेर)

द. नापासर (बीकानेर)

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( अ )

Q. रामदेव जी के घोड़े कहाँ प्रसिद्ध है?

अ. बीकानेर

ब. पोकरण

स. कोटा

द. गोगामेड़ी

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( ब )

Q. आम पापड़ के लिए प्रसिद्ध स्थान है?

अ. बाँसवाड़ा

ब. उदयपुर

स. कोटा

द. सिरोही

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( अ )

Q. तीर कमान निर्माण के लिए प्रसिद्ध स्थान है?

अ. गलियाकोट व सागवाड़ा

ब. जगतपूरा व छीछ

स. बोडीगामा व चंदू जी का गढ़ा

द. कलिजंरा व आसपुर

RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (स) बाँसवाड़ा तथा बोडीगामा (डूंगरपुर) ये दोनों गाँव तीर कमान निर्माण के लिए प्रसिद्ध है |

Q. किस स्थान का रमकड़ा उद्योग प्रसिद्ध है?

अ. गलियाकोट

ब. छिछ

स. किशोर गाँव

द. सिकन्दरा

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (अ) सोप स्टोन/घीया पत्थर से मूर्तियों बनाने की कला | डूंगरपुर जिले में है |

**Q. राजस्थान के किस क्षेत्र में सांझी पूजन व सांझी चित्रण का सर्वाधिक प्रचलन है?**

अ. मेवाड़
ब. मेवात
स. हाड़ौती
द. बागड़

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (अ) भाद्रपद अमावस्या से आश्विन अमावस्या तक कुंवारी कन्याएं सफेद पुती दीवार पर 15 दिनों तक लगातार गोबर से विभिन्न आकृतियाँ (सांझी) बनाती है व इनका पूजन करती है |

Q. निम्न में से कौनसा स्थान काष्ठ कला के लिए प्रसिद्ध है?

अ. मेड़ता
ब. बालोतरा
स. बगरू
द. बस्सी

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (द) चित्तौड़गढ़ जिले बस्सी नामक स्थान पर है, यहाँ पर कावड़, बेवाण, गणगौर की प्रतिमाएं व अन्य कलाकृतियाँ बनती है |

Q. महेशराज सोनी जिनका हाल ही में निधन हुआ है, किस कला के प्रसिद्ध कलाकार थे?

अ. पेपर मैशी
ब. थेवा कला
स. कोफ्तगिरी
द. उस्ता कला

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (ब) इसका फरवरी 2019 में निधन हो गया, इन्हें 2015 में 'पद्मश्री' सम्मान दिया गया व ब्रिटिश संसद के हाउस ऑफ कॉमंस द्वारा भी सम्मानित किये गये |

Q. निम्न में से किस हस्तकला को भौगोलिक चिह्नीकरण नहीं मिला है?

अ. फुलकारी
ब. पोकरण पॉटरी
स. बगरू प्रिंट
द. मीनाकारी

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (द) (राजस्थान, पंजाब व हरियाणा) को 2011 में, बगरू हैंडब्लॉक प्रिंट को 2012 में तथा पोकरण पॉटरी को 2018 में भौगोलिक चिन्हीकरण मिल चूका है |

Q. चटापटी वर्क के लिए प्रसिद्ध क्षेत्र है?

अ. मेवाड़

ब. शेखावाटी

स. हाड़ौती

द. वागड़

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (ब) चटापटी का कार्य शेखावाटी के अलावा बाड़मेर व अजमेर के तिलोनिया में भी किया जाता है |

Q. पाटोदा का लूगड़ा किस क्षेत्र का प्रसिद्ध है?

अ. मेवाड़

ब. शेखावाटी

स. हाड़ौती

द. बागड़

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (ब) पाटोदा (लक्ष्मणगढ़), मुकुंदगढ़ (झुंझुनूं) का लूगड़ा प्रसिद्ध है |

Q. विवाह के अवसर पर दुल्हन के घर के मुख्य दवार पर लड़की की एक कलाकृति टंगाई जाती है, जिसके शीर्ष भाग पर मयूर या चिड़िया बनी होती है | जिसे दुल्हा अपनी तलवार या पेड़ की डाली से छूता है, यह लड़की की कलाकृति क्या कहलाती है?

अ. तोरण
ब. बाजोट
स. राली
द. चोपड़ा

राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( अ )

Q. निम्नलिखित में से किस वस्त्र का संबंध राजस्थान से नहीं है?

अ. कांधा

ब. सांगानेरी

स. बांधनी

द. बाड़मेरी

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (अ) कांधा कला बंगाल की कढ़ाई का एक प्रकार है |

Q. राजस्थान के किस क्षेत्र में 'पंधारी मोदक' प्रसिद्ध है -

अ. उदयपुर
ब. जयपुर
स. बीकानेर
द. कोटा

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( स )

Q. राजस्थान का पहला शिल्पग्राम कहाँ स्थित है?

अ. बूंदी

ब. बीकानेर

स. जयपुर

द. उदयपुर

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (द) उदयपुर के 'हवाला ग्राम' में राजस्थान का पहला शिल्पग्राम स्थापित किया गया है |

Q. किस लोकदेवता को कपड़े और मिट्टी के घोड़े की प्रतिकृति समर्पित की जाती है?

अ. तेजा जी

ब. रामदेव जी

स. गोगा जी

द. देवनारायण जी

RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( ब )

Q. निम्न में से कौनसा एक लोकचित्र कला का उदाहरण नहीं है?

अ. बणी – ठणी

ब. फड़

स. मांडणा

द. सांझी

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( अ )

Q. निम्न में से राजस्थान का कौनसा स्थान ब्लैक पॉटरी के लिए प्रसिद्ध है -

अ. बाँसवाड़ा

ब. उदयपुर

स. चित्तौड़गढ़

द. सवाई माधोपुर

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( द ) मुख्यत कोटा है!

Q. सरदार कुदरत सिंह को किस हस्तकला में महारथ के लिए पद्मश्री से अलंकृत किया गया है?

अ. थेवा कला

ब. कुंदन कला

स. मीनाकारी कला

द. मुरादाबादी कार्य

RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (स) जयपुर के प्रमुख हस्तशिल्पी है, इन्हें में विशेष दक्षता के लिए 1988 ई. में पद्मश्री सम्मान दिया गया |

Q. राजस्थान में हस्तकला का सबसे बड़ा केंद्र है?

अ. गलियाकोट (डूंगरपुर)

ब. बस्सी (चित्तौड़गढ़)

स. बोरनाडा (जोधपुर ग्रामीण)

द. सांगानेर (जयपुर)

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( स )

- Class Timing

- Morning 9 AM
- Evening 9 PM

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Q. मांगलिक अवसरों पर कुमकुम, अक्षम व चावल आदि रखने का लड़की का पात्र, जिससे तिलक / टीका किया जाता है, क्या कहलाता है?

अ. खांडा
ब. चोपड़ा
स. थापा
द. बांकड़ी

राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( ब )

Q. श्रीलाल जोशी, जिन्हें 2006 में पद्मश्री पुरस्कार मिला था, को किस कला के लिए जाना जाता है?

अ. उस्ता कला
ब. कठपुतली कला
स. सांगानेरी प्रिंट
द. फड़ चित्रकारी

RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (द) देवनारायण जी की एक फड़ 'पश्चिमी जर्मनी' के संग्रहालय में प्रदर्शित है |

Q. कौनसा शहर 'तलवार' निर्माण के लिए प्रसिद्ध है?

अ. सिकंदरा

ब. सिरोही

स. ब्यावर

द. अलवर

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( ब )

Q. राजस्थान मे हस्तकलाओं का तीर्थ किस जिले को कहा जाता है?

अ. उदयपुर
ब. जोधपुर
स. जयपुर
द. कोटा

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( स )

Q. हस्तशिल्प उद्योग को सर्वाधिक संरक्षण देने वाला संस्थान है -

अ. राजस्थली

ब. राजसीको

स. रीको

द. नाबार्ड

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (ब) इसका मुख्यालय जयपुर में है। इसकी स्थापना 3 जून, 1961 को हुई थी |

Q. टेराकोटा मूर्तियाँ निम्नलिखित में से किस से बनायी जाती है -

अ. जस्ते से

ब. लड़की से

स. सिरेमिक जैसी मिट्टी से

द. एल्यूमिनियम से

RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( स )

**Q. राजस्थान में कोफ्तगिरी के काम के लिए कौनसे शहर प्रसिद्ध है -**

अ. अलवर एवं भरतपुर
ब. अलवर एवं जयपुर
स. जयपुर एवं बीकानेर
द. जैसलमेर एवं बीकानेर

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (ब) कार्य दमिश्क से पंजाब, पंजाब से गुजरात तथा गुजरात से राजस्थान लाया गया | इसमें फौलाद / लौहे / स्टील की बनी वस्तुओ पर यह काम सोने की पतले तारो की जड़ाई द्वारा किया जाता है |

Q. निम्नलिखित में से कौनसा सुमेलित नहीं है -

अ. थेवा कला - प्रतापगढ़

ब. मीनाकारी - जयपुर

स. अजरक प्रिंट - सांगानेर

द. टेराकोटा शिल्प - मोलेला

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (स) बाड़मेर की प्रसिद्ध है |

Q. राजसीको (राजस्थान लघु उद्योग निगम) अपनी हस्तकलाओं के सामान की बिक्री किस शोरूम के माध्यम से करता है -

अ. राजस्थली

ब. राजपुताना इम्पोरियम

स. राजस्थान हैंडलूम

द. उपरोक्त सभी

RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( अ )

Q. राजस्थान की कौनसी जगह दाबू प्रिंट के लिए प्रसिद्ध है -

अ. शाहपुरा
ब. खंडेला
स. आकोला
द. जसोल

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (स) चित्तौड़गढ़ का आकोला गाँव रंगाई छपाई के लिए प्रसिद्ध है, यहाँ छीपा जाति के लोगों द्वारा यह प्रिंट बनाया जाता है|

Q. राजस्थान में बंधेज की सबसे बड़ी मंडी है -

अ. बीकानेर

ब. जयपुर

स. जोधपुर

द. बाड़मेर

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( स )

Q. ‘ब्लू पॉटरी’ की प्रसिद्ध कला इसमें पूर्व किस नाम से जानी जाती थी?

अ. कामचीनी
ब. कोफ्तगिरी
स. चम्पाकली
द. पेपरमेशी

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( अ )

Q. 'समुद्र लहर' नाम का लहरिया कहाँ रंगा जाता है?

अ. जोधपुर

ब. जैसलमेर

स. सीकर

द. जयपुर

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (द) इसे जयपुर के रंगरेज रंगते थे, इसमें चौड़ी –चौड़ी आड़ी धारियां बनती है, समुद्रलहर लहरिया भी दो, तीन, पाँच व सात रंगो में रंगा जाता है |

Q. नागौर का 'टांकला गाँव' किस हस्तकला के लिए प्रसिद्ध है -

अ. दरी निर्माण

ब. फड़ कला

स. लौहे के औजार

द. मिरर वर्क

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( अ )

Q. तिल पापड़ी उद्योग के लिए प्रसिद्ध स्थान है -

अ. भुसावर (भरतपुर)

ब. साम्भर (जयपुर ग्रामीण)

स. पाली

द. ब्यावर

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( द )

Q. निम्नलिखित में से दौसा जिले का कौनसा स्थान दरी निर्माण के केंद्र के रूप में प्रसिद्ध है -

अ. लवाण

ब. आलूदा

स. ब्रसवा

द. लालसोट

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( अ )

Q. जिरोही, भाकला, गंदहा किस उद्योग के उत्पादों के नाम है?

अ. पेचवर्क
ब. जटपट्टी
स. मीनाकारी
द. ब्लू पॉटरी

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (ब) बकरी व ऊंट के बालों से जट्टपट्टी बनाई जाती है | इन्ही बालो से जिरोही, भाकला (ओढ़ने का कम्बलनुमा वस्त्र) व गंदहा बनाये जाते है |

**Q. कौनसा कूट सुमेलित नहीं है –**

| (हस्तकला) | (स्थान) |
|---|---|
| अ. मामाजी के घोड़े | - बसंतगढ़ |
| ब. दाबू प्रिंट | - आकोला |
| स. लाख का काम | - लक्ष्मणगढ़, फतेहपुर |
| द. अजरक प्रिंट | - बाड़मेर |

RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (अ) जालौर के हजरी गाँव में मामाजी के घोड़े बनाये जाती है |

Q. राजस्थान में स्त्रियों द्वारा किस मास में 'लहरिया' ओढ़ा जाता है?

अ. भाद्रपद

ब. ज्येष्ठ

स. माघ

द. श्रावण

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (द)

Q. ‘तुड़िया कला’ किस स्थान की प्रसिद्ध है?

अ. सांगानेर (जयपुर)

ब. कैथून (कोटा)

स. बगरू (जयपुर ग्रामीण)

द. राजाखेड़ा (धौलपुर)

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (द) राजाखेड़ा में नकली आभूषण बनाने की कला ‘तुड़िया कला’ कहलाती है |

राजस्थान क्लासेज
Click here
www.rajasthanclasses.in

50 जिलों पर आधारित

राजस्थान GK

निशुल्क नोटस

Search – rajasthanclasses.in

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

- NAME AND DIST NAME

Search – rajasthanclasses.in

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

# ❑ Study Group - 8107670333

❑ NAME AND DIST NAME

❑ Class Timing

❑ Morning 9 AM

❑ Evening 9 PM

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

**Q. मारवाड़ में 'दामणी' क्या था -**

अ. एक प्रकार का गहना

ब. ओढ़नी का एक प्रकार

स. पशु बांधने की रस्सी

द. पगड़ी का एक प्रकार

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( ब )

Q. राजस्थान में 'पाव रजाई' कहाँ की प्रसिद्ध है?

अ. जयपुर
ब. जोधपुर
स. कोटा
द. उदयपुर

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( अ )

Q. राजस्थान का वह स्थान, जहाँ का 'लहरिया' प्रसिद्ध है -

अ. जोधपुर

ब. बीकानेर

स. जयपुर

द. कोटा

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( स )

Q. नागौर का 'बू गाँव' किस लिए प्रसिद्ध है?

अ. मिट्टी के खिलौने के लिए

ब. लोहे के औजार के लिए

स. जट – पट्टी उद्योग के लिए

द. रेशमी कंबल के लिए

राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (अ) इस गाँव का नाम 'बू नारावता' है | यहाँ मिट्टी के खिलौने, गुलदस्ते, गमले वे पक्षिओं की कलाकृतियाँ का निर्माण होता है |

Q. राजस्थान के किस कलाकार को मूर्तिकला व मिट्टी के शिल्प के कारण 'क्लोनिंग का महारथी' कहा जाता है?

अ. कृपाल सिंह शेखावत

ब. भंवरलाल अंगीरा

स. मातुराम वर्मा

द. अर्जुनलाल प्रजापति

RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (द) नवम्बर 2020 में कोरोना के कारण इनका निधन हो गया |

Q. उस्ताकला क्या है -

अ. पीतल पर की जाने वाली नक्काशी

ब. ऊंट की खाल पर स्वर्णिम चित्रकारी

स. पानी ठंडा रखने के पात्र बादले निर्माण के कला

द. इनमें से कोई नहीं

राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( ब )

Q. डूंगरपुर भाटी, ईश्वरसिंह व पीरदान सिंह भाटी किस कला के प्रसिद्ध कलाकार है -

अ. ऊंट के श्रंगार का सामान

ब. कशीदे युक्त जूतियाँ

स. पत्थर पर नक्काशी

द. बंधेज कला

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( अ )

Q. लाख की पॉटरी कहाँ की प्रसिद्ध है?

अ. बीकानेर

ब. जोधपुर

स. अलवर

द. कोटा

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( अ )

Q. कठपुतलियों का निर्माण मुख्य रूप से कहाँ होता है?

अ. चुरू
ब. बूंदी
स. उदयपुर
द. कोटा

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (स) इसके अलावा चित्तौडगढ़ में भी इनका निर्माण होता है|

Q. राजस्थान में कठपुतली कला को प्रसिद्ध दिलाने में महत्त्वपूर्ण योगदान किसका रहा है?

अ. देवीलाल सामर

ब. भंवरलाल अंगीरा

स. अर्जुनलाल प्रजापति

द. चौथमल जोशी

RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( अ )

Q. हस्तशिल्प डिजाईन विकास एवं शोध केद्र स्थित है?

अ. जोधपुर
ब. बीकानेर
स. उदयपुर
द. जयपुर

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( द )

Q. कठपुतलियों एवं खिलौने के निर्माण हेतु चित्तौड़गढ़ का प्रसिद्ध स्थल है -

अ. आकोला

ब. मोलेला

स. बस्सी

द. मांगरोल

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( स )

Q. कावड़ कला किस वस्तु से संबंधित है -

अ. कागज

ब. कपड़ा

स. मिट्टी

द. काष्ठ

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( द )

Q. सूँघनी नसवार प्रसिद्ध है -

अ. ब्यावर

ब. बाँसवाड़ा

स. अलवर

द. उदयपुर

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( अ )

Q. राजस्थान के कशीदे युक्त जूतियाँ कहाँ की प्रसिद्ध है?

अ. खंडेला व सीकर
ब. भीनमाल व जालौर
स. बोरूंदा व मंडोर
द. बाड़मेर व चौहटन

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (ब) कशीदा युक्त जूतियों के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ दवारा USDP के तहत बड़ू गाँव (नागौर) में योजना चलाई जा रही है |

Q. राजस्थान में हाथ से काग़ज निर्माण का कार्य कहाँ किया जाता है?

अ. शाहपुरा
ब. मेड़ता
स. सांगानेर
द. टांकला गाँव

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( स )

Q. राजस्थान में लोहे के औजार कहाँ के प्रसिद्ध है -

अ. अलवर

ब. जयपुर

स. नागौर

द. जोधपुर

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (स) नागौर को 'राजस्थान की धातु नगरी' कहा जाता है|

Q. वर्ष 2018 में राजस्थान की किस पॉटरी कला को जियोग्राफिक इंडिकेशन (भौगोलिक चिन्हीकरण) मिला है?

अ. ब्ल्यू पॉटरी

ब. पोकरण पॉटरी

स. अलवर पॉटरी

द. मोलेला क्ले वर्क

RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( ब )

**हाल ही में (अगस्त-2023) में राजस्थान के 5 उत्पादों को GI Tag (भौगोलिक संकेतक) टैग दिया गया है,ये 5 उत्पाद निम्न है-**

नाथद्वारा की पिछवाई कला
जोधपुरी बंधेज
उदयपुर की कोफ्तगिरी
बीकानेर की उस्ता कला
बीकानेर की कशीदाकारी क्राफ्ट

RAJASTHAN CLASSES

अब तक कुल 21 को GI टैग मिला है!

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

**Q. राजस्थान में मूर्तिकला के लिए कौनसा शहर विख्यात है -**

अ. जयपुर
ब. कोटा
स. भरतपुर
द. अलवर

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (अ) राजस्थान में अलावा थानागाजी (अलवर), सिकन्दरा (दौसा), किशोर गाँव (अलवर), जोधपुर, गलियाकोट (डूंगरपुर) में भी मूर्तियाँ बनती है |

Q. ब्ल्यू पॉटरी का तात्पर्य है -

अ. चाँदी के आभूषणों पर नीले रंग की मीनाकारी

ब. नीले कांच पर स्वर्णिम चित्रांकन

स. चीनी मिट्टी के बर्तनों पर नीले रंग की चित्रकारी

द. इनमे से कोई नहीं

राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( स )

Q. चंदन की काष्ठकला के लिए प्रसिद्ध शहर है?

अ. बीकानेर

ब. जयपुर

स. चुरू

द. भरतपुर

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (स) चुरू के चौथमल जांगिड़, मालचंद, महेश जांगिड़, उमेश चन्द्र को इस कला के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार मिल चूका है|

Q. 'हैण्डलूम डिजाईन डवलपमेंट एण्ड ट्रेनिंग सेंटर' कहाँ पर स्थित है?

अ. नागौर

ब. उदयपुर

स. बीकानेर

द. चित्तौड़गढ़

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( अ )

Q. बाड़मेर का चौहटन कस्बा निम्न में से किस कला के लिए प्रसिद्ध है?

अ. मिरर वर्क
ब. सुनहरी टेराकोटा
स. हाँथी दांत के कार्य
द. मटके व सुराही

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (अ) छोटे – छोटे टुकड़ो को कपड़े पर रखकर उस चारों और सुई एवं रेशमी धागों से कढ़ाई की जाती है, ताकि वे कांच के टुकड़े वापस बाहर न निकल जाए |

Q. उस्ता कला का वह कलाकार, जिसने ख्वाजा साहब की दरगाह (अजमेर) में स्वर्णिम नक्काशी का कार्य किया है?

अ. कादर बख्श उस्ता
ब. मोहम्मद हनीफ उस्ता
स. हिसामुद्दीन उस्ता
द. इलाही बख्श उस्ता

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( ब )

Q. ‘मोठड़ा’ वेशभूषा के कौनसे प्रकार के अंतर्गत आता है?

अ. घाघरा

ब. कुर्ता

स. गोटे का प्रकार

द. ओढ़नी

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( द )

Q. कपड़े पर मोम की परत चढ़ाकर उस पर रंग योजन कर चित्रकारी करने की कला क्या कहलाती है?

अ. बातिक
ब. कोफ्तगिरी
स. चटापटी
द. मिरर वर्क

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (अ) खण्डेला (सीकर) प्रसिद्ध है, बातिक कला का उद्भव दक्षिण भारत में हुआ है | ओर.बी. रायजादा बातिकल कला के सिध्दहस्त कलाकार है |

Q. 'कुमारप्पा हस्तशिल्प कागज राष्ट्रीय संस्थान' की स्थापना की गई है -

अ. शाहपुरा में
ब. नाथद्वारा में
स. सांगानेर में
द. बोरूंदा में

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( स )

Q. राजस्थान में लेटा, मांगरोल एवं सालावास जाने जाते है -

अ. तीर कमान निर्माण के लिए

ब. कोफ्तगिरी के लिए

स. कपड़े की मदों की बुनाई के लिए

द. कठपुतली कला के लिए

RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( स )

Q. लप्पा, लप्पी, किरण एवं बांकड़ी यह सब है -

अ. पॉटरी के भिन्न – भिन्न प्रकार

ब. फड़ के भिन्न – भिन्न प्रकार

स. उस्ताकला के भिन्न – भिन्न प्रकार

द. गोटे के भिन्न – भिन्न प्रकार

राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (द) लप्पा, लप्पी, किरण, बांकड़ी, गोखरू, नक्शी, बिजिया, चम्पाकली, लहरगोटा..... आदि |

Q. गोबर के उपलों / कंडो को व्यवस्थित रूप से चुनाई कर उसे चारों ओर से गोबर से लीप दिया जाता है, ऐसे उपलों का ढेर क्या कहलाता है?

अ. हीड़
ब. बटेवड़ा
स. सोहरिया
द. गोड़लिया

राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( ब )

**Q. निम्न में से किस स्थान पर शिल्पग्राम की स्थापना नहीं की गई -**

अ. हवाला (उदयपुर)
ब. पुष्कर (अजमेर)
स. मांगरोल (बारां)
द. पाल (जोधपुर ग्रामीण)

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

**Ans.** (स) शिल्पग्राम की स्थापना हस्तशिल्प व्यवसाय व लोक कलाओं को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान में निम्न स्थानों पर की है – हवाला (उदयपुर), पुष्कर (अजमेर), पाल (जोधपुर ग्रामीण) व रामसिंह पूरा (सवाई माधोपुर) |

Q. संगमरमर की मूर्तियाँ निर्माण के लिए प्रसिद्ध स्थान है?

अ. जयपुर
ब. कोटा
स. अलवर
द. नागौर

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( अ )

**Q. जाजम छपाई कहाँ की प्रसिद्ध है?**

अ. बस्सी (चित्तौड़गढ़)

ब. मोलेला (राजसमंद)

स. आकोला (चित्तौड़गढ़)

द. कुशलगढ़ (बाँसवाड़ा)

RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (स) सूती मोटे धागे की बुनाई रेजा / रेजी द्वारा की जाकर बनाई जाने वाली मोटी दरी 'जाजम' कहलाती है | इसमें लाल व हरे रंग का प्रयोग ज्यादा होता है |

Q. राजस्थान में हाथी दांत का काम होता है?

अ. जोधपुर, जेठाना, बीकानेर

ब. जयपुर, मेड़ता, उदयपुर

स. बाड़मेर, कुशलगढ़, टोंक

द. उदयपुर, पिलानी, सीकर

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( ब )

Q. राजस्थान का कौनसा स्थान बेल बूटों की छपाई की पारम्परिक कला के लिए जाना जाता है?

अ. बगरू (जयपुर ग्रामीण)
ब. चौहटन (बाड़मेर)
स. बड़ू गाँव (नागौर)
द. रामसर (बीकानेर)

RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( अ )

Q. सोपस्टोन / घीया पत्थर से मूर्तियाँ बनाने की कला किस नाम से जानी जाती है?

अ. रमकड़ा कला
ब. कोफ्तगिरी कला
स. मीनाकारी कला
द. कुंदन कला

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (अ) रमकड़ा काल गलियाकोट (डूंगरपुर) की प्रसिद्ध है |

Q. थेवा कला से तात्पर्य है -

अ. सफेद दीवार पर गोबर से आकृतियाँ बनाना

ब. मिट्टी से लोक देवी – देवताओं की मूर्तियाँ बनाना

स. कांच पर हरे रंग की मीनाकारी

द. कागज पर देवी – देवताओं

राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( स )

Q. गोटे से बने फूल क्या कहलाते है?

अ. किरण

ब. बादला

स. बिजिया

द. मुकेश

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( स )

Q. मंडावा (झुंझुनूं) क्यों प्रसिद्ध है?

अ. सांझी निर्माण के लिए

ब. मिट्टी के खिलौनों के लिए

स. दरी निर्माण के लिए

द. भित्ति चित्रों के कारण

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( द )

Q. आकोला में 'दाबू प्रिंट' मुख्यतः किस जाति द्वारा किया जाता है?

अ. छींपा
ब. माली
स. सोनी
द. बालदीया

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (अ) कपड़े आकोला (चित्तौड़गढ़) में छींपा जाति द्वारा बनाए जाते है| रंगाई छपाई में जिस स्थान पर रंग नहीं चढ़ाना हो उसे लेई / लुगदी से दबा देते है |

**Q. निम्न में से असुमेलित युग्म है -**

अ. मोम का दाबू – सवाई माधोपुर

ब. मिट्टी का दाबू – बालोतरा

स. अभ्रक का दाबू – सांगानेर (जयपुर), बगरू (जयपुर ग्रामीण)

द. मिट्टी व गोंद का दाबू – आकोला

राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (स) जयपुर जिले के सांगानेर व जयपुर ग्रामीण जिले के बगरू की छपाई में गेहूँ के बीधाण का दाबू प्रयोग किया जाता है |

काली मिट्टी, गोंद और चूना मिलाकर घोल तैयार किया जाता है। बाद में इन्हीं की मदद से प्राकृतिक रंगों से कपड़े पर छपाई की जाती है।

**दाबू की विधि...**

RAJASTHAN CLASSES
PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Q. राजस्थान में 'पीला पोमचा' (एक प्रकार की ओढ़नी) कब पहना जाता है?

अ. कुंवारी लड़कियों द्वारा

ब. कन्या के विवाह पर

स. बेटे के जन्म पर

द. तीर्थ यात्रा पर जाते समय

RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( स )

# राजस्थान जीके

## राजस्थान की हस्तकलाएँ

राजस्थान क्लासेज
Click here
www.rajasthanclasses.in

50 जिलों पर आधारित

राजस्थान GK

निशुल्क नोटस

Search – rajasthanclasses.in

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

- NAME AND DIST NAME

Search – rajasthanclasses.in

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

# ❑ Study Group - 8107670333

❑ NAME AND DIST NAME

❑ Class Timing

❑ Morning 9 AM

❑ Evening 9 PM

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

**Q. ब्ल्यू पॉटरी को राजस्थान में किस शासक द्वारा लाया गया -**

अ. सवाई जयसिंह
ब. रामसिंह द्वितीय
स. माधोसिंह द्वितीय
द. भवानी सिंह

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES
PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (ब) चीनी मिट्टी के बर्तनों पर नीले रंग की चित्रकारी की जाती है, इसमें आधार रंग नीला होता है| पहले इसे 'कामचीनी' भी कहा जाता था| रामसिंह के समय लाहौर से जयपुर लाई गई थी|

Q. राजस्थान के कोटा और बारां जिले में बनाई जाने वाली 'चूंदडी' का कार्य.....प्रकार का है -

अ. कट्टी – मिट्टी कला

ब. मिरर वर्क

स. टाई एवं डाई

द. चट्टा – पट्टी

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (स) यह एक प्रकार की रंगाई की तकनीक है, जिसमें धागे दवारा बाँध कर रंग को रोका जाता है| कोटा, बूंदी व बारां में बारीक बंधेज का काम होता है |

Q. 'भरत', 'सूफ', 'हुरम जी', 'आरी', किससे संबंधित है?

अ. हाथीदांत की चूड़ीयाँ
ब. कठपुतली कला
स. कढ़ाई व पैचवर्क
द. मुनव्वती कला

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (स)

Q. राजस्थान में कढ़ाई की एक विशेष शैली 'हुरमुचो' कहाँ की प्रसिद्ध है?

अ. बाड़मेर
ब. जयपुर
स. उदयपुर
द. जोधपुर

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( अ )

Q. विभिन्न कपाटों में खुलने व बंद होने वाली छोटे मंदिरनुमा काष्ठ कलाकृति, जिस पर विभिन्न देवी – देवताओं के चित्र बने होते है, क्या कहलाती है?

अ. सांझी
ब. कावड़
स. गणगौर
द. भराड़ी

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (ब) यह एक प्रकार का चलता फिरता देवघर / देवालय होता है| कावड़िया भाट बैठकर कावड़ को अपनी गोद में रख कर लयबद्ध गीतों और पद्यमय ढंग से इसका वाचन करता है |

Q. राजस्थान का वह एकमात्र परिवार, जिसे किसी हस्तकला के लिए एक ही परिवार के व्यक्तियों को 8 बार राष्ट्रपति पुरस्कार मिल चुका है?

अ. शाहपुरा का जोशी परिवार

ब. दुलमेरा का उस्ता परिवार

स. प्रतापगढ़ का सोनी परिवार

द. बस्सी का जांगीड़ परिवार

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( स )

Q. प्रतापगढ़ की थेवा कला को किस वर्ष 'भौगोलिक चिन्हीकरण' जीआई टैग प्राप्त हुआ है?

अ. 2011

ब. 2014

स. 2008

द. 2016

RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( ब )

Q. निम्न में से किस कलाकार का संबंध मोलेला की टेराकोटा कला से नहीं है?

अ. मोहनलाल कुम्हार

ब. खेमराज

स. राजेन्द्र कुम्हार

द. गोपाल सैनी

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (द) गोपाल सैनी वर्तमान में ब्लू पॉटरी के प्रसिद्ध है |

Q. लड़की की वह लघु मंदिरनुमा कलाकृति, जिसमें जलझूलनी आदि अवसरों पर देवताओं के विग्रह को रखकर सवारी निकाली जाती है?

अ. बाजोट

ब. कावड़

स. खांडे

द. बेवाण

राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( द )

Q. पिछवाई का प्रयोग विशेष रूप से किस संप्रदाय के मंदिरों में होता है?

अ. वल्लभ संप्रदाय
ब. नाथ संप्रदाय
स. गोड़ीय संप्रदाय
द. रसिक संप्रदाय

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( अ )

Q. राजस्थान में नाथदवारा के अलावा पिछवाई निर्माण के अन्य केंद्र कौनसे हैं?

अ. डीग, धौलपुर, बूंदी

ब. बगरू, आकोला, उदयपुर

स. कांकरोली, कोटा, अलवर

द. चौहटन, रामसर, जालौर

RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( स )

Q. भीलों की वह लोकदेवी, विवाह आदि मांगलिक अवसरों पर जिसका चित्र घर की दीवारों पर बनाया जाता है?

अ. खेडियाल माता

ब. भराड़ी

स. होवण माता

द. डाहल

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( ब )

Q. लकड़ी के खिलौनों के लिए प्रसिद्ध स्थान है?

अ. हनुमानगढ़

ब. जोधपुर

स. बीकानेर

द. उदयपुर

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( द )

Q. राजस्थान में काले पत्थर से मूर्ति निर्माण के लिए प्रसिद्ध स्थान है?

अ. सिकन्दरा (दौसा)

ब. तलवाड़ा (बाँसवाड़ा)

स. पोकरण (जैसलमेर)

द. बगरू (जयपुर ग्रामीण)

RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( ब )

Q. ‘राजस्थान की बनारसी साड़ी’ कहलाने वाली कला है?

अ. फूल की साड़ी, जोबनेर
ब. स्प्रे पेंटिंग की साड़ी, नाथद्वारा
स. मसुरिया मलमल साड़ी, कोटा
द. सुंठ की साड़ी, सवाई माधोपुर

RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( स )

Q. लच्छीराम, घनश्याम, कैलाश शर्मा व नरोतम शर्मा का संबंध किस हस्तकला से है?

अ. मसुरिया साड़ी
ब. पिछवाई निर्माण
स. दाबू प्रिंट
द. पोकरण पॉटरी

RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( ब )

Q. भौगोलिक चिन्हीकरण (जी. आई. टैग) प्राप्त करने वाली राजस्थान की प्रथम हस्तकला है?

अ. पोकरण पॉटरी

ब. बगरू प्रिंट

स. कोटा डोरिया

द. जयपुर की ब्ल्यू पॉटरी

RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (स) वर्ष 2006 में दिया गया |

Q. निम्न में से किस कलाकार का संबंध ब्ल्यू पॉटरी से नहीं है?

अ. कृपाल सिंह शेखावत

ब. नाथी बाई

स. गोपाल सैनी

द. रामकिशोर छींपा

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (द) बगरू प्रिंट के प्रसिद्ध कलाकार है |

Q. मांगीलाल मिस्त्री व द्वारिका प्रसाद जांगीड़ किस कला के प्रसिद्ध कलाकार है?

अ. कोटा डोरिया

ब. पिछवाई निर्माण

स. कावड़ निर्माण

द. थेवा कला

RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( स )

Q. महेशराज सोनी, राजेन्द्र कुमार सोनी व गिरीश कुमार सोनी का संबंध किस हस्तकला से है?

अ. कोटा डोरिया

ब. पिछवाई निर्माण

स. कावड़ निर्माण

द. थेवा कला

RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( द )

Q. मिट्टी की कलाकृतियों के प्रसिद्ध कलाकार फतेहराम का संबंध किस जिले से है?

अ. जयपुर
ब. अलवर
स. बीकानेर
द. बाड़मेर

RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( ब )

Q. बस्सी (चित्तौड़गढ़) की काष्ठ कला के जन्मदाता किसे माना जाता है?

अ. प्रभात जी सुथार

ब. लच्छीराम

स. मोहनलाल कुम्हार

द. नरोतम शर्मा

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( अ )

Q. डूंगरपुर का कौनसा गाँव अपनी काष्ठ कला के लिए प्रसिद्ध है?

अ. गलियाकोट

ब. जेठाना

स. बेणेश्वर

द. साबला

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( ब )

Q. राजस्थान का कौनसा मंदिर 'केले के पत्तो की सांझी' के लिए प्रसिद्ध है?

अ. रामदेव जी मंदिर (रूणेचा)

ब. महावीर जी मंदिर (करौली)

स. श्रीनाथ जी मंदिर (नाथद्वारा)

द. मेहंदीपुर बालाजी (दौसा)

RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( स )

Q. कृपालसिंह शेखावत को ब्ल्यू पॉटरी कला के लिए 'पद्मश्री' सम्मान किस वर्ष दिया गया था?

अ. 1982

ब. 1968

स. 1979

द. 1974

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( द )

Q. ‘सुनहरी पॉटरी’ के लिए प्रसिद्ध स्थान है?

अ. जैसलमेर

ब. बाड़मेर

स. बीकानेर

द. उदयपुर

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (स) इसमे बर्तनों पर स्वर्णिम (गोल्डन) चित्रकारी की जाती है| उस्ता कला ही एक रूप है, जो बाद में बर्तनों पर की जाने लगी |

Q. कोहनीदार, जालदार, खत, पंचलड़ी व पाटली आदि किसके प्रकार है?

अ. बगरू प्रिंट

ब. लहरिया

स. पाव रजाई

द. कोटा डोरिया

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( ब )

Q. कोटा डोरिया या मसूरिया मलमल साड़ी निर्माण का प्रमुख केंद्र है?

अ. कैथून (कोटा)

ब. जोबरेन (जयपुर ग्रामीण)

स. नाथद्वारा (राजसमंद)

द. सांगानेर (जयपुर)

RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( अ )

Q. जोधपुर के वे कलाकार, जो स्वर्णिम नक्काशी के लिए प्रसिद्ध है?

अ. डूंगर सिंह भाटी
ब. लाल सिंह भाटी
स. गोपाल सैनी
द. अर्जुनलाल प्रजापति

RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( ब )

Q. जयपुर की मीनाकारी मे मुख्यतः कौनसे रंगो का प्रयोग होता है?

अ. लाल व हरा
ब. पीला व नीला
स. कत्थई व भूरा
द. नीला व गुलाबी

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( अ )

Q. पीतल पर मीनाकारी का कार्य मुख्यतः कहाँ पर होता है?

अ. उदयपुर व भीनमाल

ब. बीकानेर व बाड़मेर

स. जयपुर व अलवर

द. कोटा व भरतपुर

RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( स )

Q. सफेद चलवां, चाल जमीन, बूँद तिला/शबनम आदि किस हस्तकला के प्रकार है?

अ. ब्ल्यू पॉटरी
ब. मीनाकारी
स. सांगानेर प्रिंट
द. कुंदन कला

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (ब)

राजस्थान क्लासेज
Click here
www.rajasthanclasses.in

50 जिलों पर आधारित

राजस्थान GK

निशुल्क नोटस

Search – rajasthanclasses.in

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

- NAME AND DIST NAME

# ❑ Study Group - 8107670333

❑ NAME AND DIST NAME

❑ Class Timing

❑ Morning 9 AM

❑ Evening 9 PM

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Q. सांगानेर प्रिंट कला का सर्वाधिक विकास किस शासक के काल में हुआ?

अ. सवाई जयसिंह
ब. मानसिंह प्रथम
स. माधोसिंह द्वितीय
द. ईश्वरी सिंह

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( अ )

Q. सांगानेर हैंडब्लॉक प्रिंट को भौगोलिक चिन्हीकरण (जी. आई. टैग) को किस वर्ष दिया गया?

अ. 2008

ब. 2010

स. 2012

द. 2014

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( ब )

Q. तबक या वर्क का निर्माण करने वाले कारीगर कहलाते है?

अ. लखारा
ब. खेरदी
स. भिश्ती
द. पन्नीगर

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (द) चाँदी के तार को हिरण की खाल की कई परतो के मध्य रखकर कई घंटो तक पीटने के पश्चात बारिक पत्र के समान टुकड़ा बनता है वह तबक या वर्क कहलाता है |

Q. बगरू प्रिंट के किस प्रसिद्ध कलाकार को 2009 में 'पद्मश्री' सम्मान दिया गया?

अ. रामकिशोर छींपा

ब. मो. यासीन छींपा

स. पीरदान सिंह भाटी

द. चौथमल

RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( अ )

Q. पीपल के बर्तनों पर मुरादाबादी काम के लिए कौनसा स्थान प्रसिद्ध है?

अ. जोधपुर
ब. बीकानेर
स. जयपुर
द. भीलवाड़ा

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( स )

Q. सांगानेर प्रिंट को विश्व बाजार में पहुँचने का श्रेय किसे दिया जाता है?

अ. अब्दुल रज्जाक कुरैशी
ब. मुन्नालाल गोयल
स. देवीलाल सामर
द. यासीन छींपा

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (ब) सांगानेर हेंड ब्लॉक प्रिंट को 2010 में जियोग्रागिक इंडिकेशन (जी. आई. टेग) मिल चूका है |

Q. राजस्थानी चिकन, नेचुरल चिकन, नीली चिकन व चिड़िया चिकन आदि किस हस्तकला के प्रकार है?

अ. मुरादाबादी काम
ब. मीनाकारी
स. सांगानेर प्रिंट
द. उस्ता कला

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( अ )

Q. मरोड़ी शाह कमल, गुलाब छीट, मोर छींट, ईरानी व फरमा बिदर आदि किस हस्तकला के प्रकार है?

अ. बगरू प्रिंट

ब. अजरख प्रिंट

स. पिछवाई कला

द. मुरादाबादी काम

RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( द )

Q. अलवर का कौनसा स्थान संगमरमर की मूर्तियों व अन्य सजावटी कलाकृतियों के निर्माण के लिए प्रसिद्ध है?

अ. चिकानी गाँव
ब. नीमराना
स. किशोर गाँव
द. मातोर गाँव

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( स )

Q. राजस्थान में किस स्थान की 'कठपुतली कला' प्रसिद्ध है?

अ. बीकानेर

ब. जयपुर

स. कोटा

द. चित्तौड़गढ़

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (ब) संग्रहालय बागोर हवेली (उदयपुर) में बना है| नट (भाट) जाति को कठपुतली नचाने में प्रवीण माना जाता है|

Q. राजस्थान के जरी का काम (जरदौजी) कहाँ से जयपुर लाया गया?

अ. बनारस

ब. लाहौर

स. सूरत

द. ढ़ाका

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( स )

Q. छूटी, कटारों की मुठ, डिब्बो, पानदान व हुक्कों आदि पर किया जाने वाला वह काम, जिसमें डिज़ाईन को गहरा खोद कर उसमें पतला तार भर दिया जाता है, क्या कहलाता है?

अ. कुंदनकला
ब. मौनाकारी
स. जरादौसी कला
द. तहनिशा

RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( द )

Q. दौसा जिले का कौनसा गाँव 'तिरंगा' निर्माण के लिए प्रसिद्ध है?

अ. लवाण
ब. आलूदा
स. महवा
द. लालसौट

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (ब) आजादी की पहली सुबह 1947 ई. में दिल्ली के लालकिले पर फहराया गया तिरंगा आलूदा के बनुकरों ने ही तैयार किया था |

Q. ‘नांदणा’ क्या है?

अ. आदिवासियों का वस्त्र

ब. लाख की चूड़ियाँ

स. स्त्रियों की जूतियां

द. गोटे का प्रकार

RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( अ )

Q. राजस्थान में तहनिशा के काम के लिए प्रसिद्ध स्थान है?

अ. अलवर, उदयपुर
ब. जयपुर, जोधपुर
स. बीकानेर, चुरू
द. बाड़मेर, जैसलमेर

RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (अ) अलवर के तलवारसाज व उदयपुर के सिकलीगर यहः कार्य करते है ऑ

Q. आदिवासियों के वस्त्र 'नादंणा' निर्माण के लिए प्रसिद्ध स्थान है?

अ. सलूम्बर
ब. शाहपुरा
स. आकोला (चित्तौड़गढ़)
द. सोजत (पाली)

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( ब )

Q. फड़ वाचन / गायन करने वाला कलाकार कहलाता है?

अ. जोशी

ब. पटेल

स. भाट

द. भोपा

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( द )

**Q. सीकर के 'पाटोदा' का लूगड़ा प्रसिद्ध है, लूगड़ा पहनावे की किस श्रेणी का वस्त्र है?**

अ. पुरुषों की धोती
ब. पगड़ी
स. ओढ़नी
द. घाघरा

RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (स) जो पाटोदा (सीकर) व मुकुंदगढ़ (झुंझुनूं) का प्रसिद्ध है |

Q. आर. बी. राजजादा किस कला के सिद्धहस्त कलाकार है?

अ. बातिक कला

ब. कुंदन कला

स. मीनाकारी

द. कोफ्तगिरी

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( अ )

Q. राजस्थान में 'कुंदन कला' के लिए प्रसिद्ध शहर है?

अ. कोटा

ब. अलवर

स. अजमेर

द. जयपुर

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( द )

Q. जैन साधुओ के नाम आने वाले लकड़ी के पात्र 'पातरे / तिरपणी' किस स्थान पर बनाये जाते है?

अ. नापासर (बीकानेर)

ब. रतनगढ़ (चुरू)

स. पीपाड़ सिटी (जोधपुर ग्रामीण)

द. देसूरी (पाली)

RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( स )

Q. राजस्थान में छाता निर्माण व रेड़ियो के निर्माण के लिए जाना जाने वाला स्थान है?

अ. फालना (पाली)

ब. रामसर (बीकानेर)

स. लाडनूं (नागौर)

द. ब्यावर

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( अ )

Q. मथैरणा कला के लिए प्रसिद्ध स्थान है?

अ. अजमेर
ब. बीकानेर
स. उदयपुर
द. नागौर

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. (ब) धार्मिक स्थलों पर पौराणिक कथाओं पर आधारित देवी –देवताओं के भित्ति चित्र बनाने की कला मथैरणा कला कहलाती है |

Q. राजस्थान में खेल का सामान बनाने के लिए प्रसिद्ध स्थान है?

अ. सीकर

ब. नागौर

स. राजसमंद

द. हनुमानगढ़

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( द )

Q. लकड़ी से बनी तलवारनुमा आकृति, जो नृत्य या नाट्क कला में काम में ली जाती है, क्या कहलाती है?

अ. बांकड़ी

ब. वील

स. खांडे

द. कलाबतू

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( स )

Q. राजस्थान में पशुओं के शरीर पर विभिन्न प्रकार के निशान या दाग लगाने की परम्परा है, पशुओं के शरीर पर बने ये दाग के निशान क्या कहलाते हैं?

अ. गोड़लिया
ब. हीड़
स. नक्शी
द. मांडणा

राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( अ )

Q. पश्चिम राजस्थान में ग्रामीण क्षेत्र में महिलाओं द्वारा घर को सजाने व दैनिक उपयोग की वस्तुओं को सुरक्षित रखने के लिए बनायी जाने वाली मिट्टी की महलनुमा आकृति क्या कहलाती है?

अ. मोठड़ा
ब. वील
स. बटोड़ा
द. बांधनी

राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( ब )

Q. ऊंट की खाल पर स्वर्णिम नक्काशी का कार्य किस नाम से किया जाता है?

अ. कारचोब

ब. फड़चित्र

स. मथैरण कला

द. उस्ता कला

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( द )

Q. किस हस्तशिल्पी को वर्ष 2021 का राजस्थान हस्तशिल्प रत्न पुरस्कार प्रदान किया गया?

अ. बाबूलाल मारोटिया

ब. अजाज मोहम्मद

स. गंगासिंह गौतम

द. इकराम अहमद खान

RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( अ )

Q. दुर्गासिंह एवं कृपालसिंह शेखावत किस क्षेत्र से संबंध रहे?

अ. उस्ता कला, मीनाकारी
ब. मीनाकारी, ब्ल्यू पॉटरी
स. ब्ल्यू पॉटरी, थेवाकला
द. मीनाकारी, मूर्तिकला

RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( ब )

Q. वर्ष 2021 में राजस्थान बुनकर रत्न पुरस्कार किसे प्रदान किया गया?

अ. बाबूलाल मारोटिया
ब. गंगासिंह गौतम
स. किशोरलाल
द. पवन जांगिड़

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( ब )

Q. निम्न में से कौनसा युग्म (नाम उत्पाद – प्रसिद्ध स्थान) सही सुमेलित नहीं है?

अ. रसगुल्ला – बीकानेर

ब. घेवर – जोधपुर

स. मावा कचौरी – जोधपुर

द. कलाकंद – अलवर

RAJASTHAN CLASSES

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

Ans. ( स ) घेवर जयपुर का प्रसिद्ध है |

राजस्थान क्लासेज
Click here
www.rajasthanclasses.in

50 जिलों पर आधारित

राजस्थान GK

निशुल्क नोटस

Search – rajasthanclasses.in

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

- NAME AND DIST NAME

Search – rajasthanclasses.in

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।

# ❑ Study Group - 8107670333

❑ NAME AND DIST NAME

❑ Class Timing

❑ Morning 9 AM

❑ Evening 9 PM

PDF के लिए www.rajasthanclasses.in विजिट करें।